उजड़ती पहचान : बदहाली, लापरवाही और खामोशी में डूबता रीजनल पार्क

- अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ता पार्क, जिम्मेदार मौन

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. कभी हरियाली, बोटिंग और सुकून के लिए पहचाना जाने वाला इंदौर का रीजनल पार्क आज अपनी बदहाली की कहानी खुद बयां कर रहा है. टूटी फर्श, सूखे पौधे और वीरान तालाब- यह तस्वीर किसी उपेक्षित स्थल की नहीं, बल्कि शहर के प्रमुख रीजनल पार्क की है.

इंदौर का कभी आकर्षण का केंद्र रहा रीजनल पार्क आज बदहाली की तस्वीर बनता जा रहा है. पार्क में व्यवस्थाएं लगातार बिगड़ रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे पर जवाब देने से बचते नजर आ रहे हैं. नए कमिश्नर को भी स्थिति की स्पष्ट जानकारी नहीं है, वहीं संबंधित अधिकारी फोन तक नहीं उठा रहे.

सिस्टम गायब, सवाल बरकरार-स्थिति इतनी खराब है कि जिम्मेदार अधिकारी जवाब देने को तैयार नहीं. अधिकारी फोन उठाने से बच रहे हैं- आखिर जिम्मेदारी किसकी?

घटता स्टाफ, बढ़ती परेशानी-सूत्र बताते हैं कि कर्मचारियों की संख्या कम होने से साफ-सफाई और रखरखाव ठप पड़ चुका है. जगह-जगह उखड़ी फर्श और बिखरी हरियाली लापरवाही की गवाही दे रही है.

सुरक्षा में सेंध, असामाजिक तत्व सक्रिय-बंद पड़े कैमरे, कम सुरक्षा गार्ड और चोरी की घटनाएं पार्क की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही हैं. अब यह जगह परिवारों से ज्यादा असामाजिक तत्वों के लिए आसान ठिकाना बनती जा रही है.

सूखता तालाब, थमती रौनक-पर्यटन विभाग द्वारा एक समय इस पार्क में क्रूज और मोटर बोट जैसी सुविधाएं संचालित की जाती थीं, जिनसे पार्क को अच्छा राजस्व प्राप्त होता था. इन गतिविधियों के कारण पार्क की आय में लगातार वृद्धि हो रही थी और यह लाभकारी भी साबित हो रहा था. आज वही तालाब सूखा पड़ा है. उल्टी पड़ी नावें और गायब बोट्स इस बात का संकेत हैं कि व्यवस्थाएं कितनी बिखर चुकी हैं. इस पार्क की लगातार अनदेखी की जा रही है. रखरखाव और प्रबंधन की कमी के चलते अब यह पार्क धीरे-धीरे बदहाली की ओर बढ़ता जा रहा है और इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है.

आवारा पशु और कब्जे की मार

तालाब किनारे गोवंश की मौजूदगी और कैचमेंट एरिया पर बढ़ते कब्जों ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है. जलस्तर गिर रहा है और तालाब भरने की संभावना कम होती जा रही है.

कब जागेगा प्रशासन?

करोड़ों खर्च के बाद भी पार्क की यह हालत चिंता बढ़ा रही है. पीपीपी मॉडल की बातें भी फाइलों में दबी हैं. सवाल यही है- क्या यह पार्क फिर से अपनी पहचान पा सकेगा या यूं ही बदहाली में खो जाएगा?

एक नजर में

पोडियाट्री एसोसिएशन की राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस संपन्न

इंदौर, इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन के एमपी चैप्टर की राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस बांधवगढ़ में सफलतापूर्वक आयोजित की गई. कार्यक्रम में इंडियन पोडियाट्री एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एपीएस सूरी और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उमेश मसंद (इंदौर) ने बताया कि ऐसी दवाइयाँ जो पैरों में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाए और रक्त वाहिनियों के संकुचन को रोके, वे डायबिटीज के गंभीर प्रभावों को कम करने में सहायक होती हैं. रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के एमपी स्टेट सेक्रेटरी एवं इंदौर के डायबिटीज, मोटापा, थायराइड एवं हार्मोन विशेषज्ञ डॉ. राजेश अग्रवाल ने कम्युनिटी एजुकेशन और डायबिटिक फुट अल्सर की रोकथाम विषय पर व्याख्यान दिया. उन्होंने बताया कि भारत में हर वर्ष डायबिटीज के कारण लगभग 2 लाख अंग भंग (एम्प्युटेशन) के मामले सामने आते हैं, जिन्हें जागरूकता और सही देखभाल से रोका जा सकता है. डॉ. अग्रवाल ने कहा कि डायबिटीज एजुकेशन के माध्यम से 80 प्रतिशत तक एम्प्युटेशन रोके जा सकते हैं और एक दिन की सही शिक्षा से मरीज की जीवन प्रत्याशा में लगभग 550 दिनों की वृद्धि संभव है. उन्होंने पैरों की देखभाल पर जोर देते हुए सुझाव दिए कि कावड़ यात्रा जैसे अवसरों पर नंगे पैर चलने से बचें, पैरों की देखभाल चेहरे की तरह करें, आरामदायक जूते पहनें, उन्हें शाम के समय खरीदें तथा नाखून सीधे काटें. इस अवसर पर डॉ. राजेश अग्रवाल को गेस्ट ऑफ ऑनर सम्मान से सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में डॉ. नर्मदा पटेल, डॉ. रवि (ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी), डॉ. मनोज इंदुरकर, डॉ. अनुराग चौरसिया तथा मुख्य अतिथि फॉरेस्ट डायरेक्टर रोहित कटारिया सहित देश के कई प्रतिष्ठित पोडियाट्रिस्ट उपस्थित रहे.

वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री शर्मा को मिला ग्लोबल लेजेंड्स अवॉर्ड

इंदौर. राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक, शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को मुंबई के प्रभादेवी स्थित रवीन्द्र नाट्य मंदिर में संस्था द स्माइलिंग सोल्स की मेजबानी में आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में 37 वां ग्लोबल लेजेंड्स अवार्ड प्रदान किया गया. संस्था द स्माइलिंग सोल्स की प्रमुख सुश्री तेजस शाह ने आदित्य एवं उनकी पत्नी इंदुबाला शर्मा को यह अवार्ड प्रदान किया गया. इस अवसर पर उनके द्वारा भारतीय मुद्रा जगत में 55 वर्ष के लम्बे सेवाकाल के दौरान डेढ़ लाख से अधिक सिक्कों के संग्रह, टेराकोटा, खनिज और कलाकृतियों के संग्रह तथा ब्रिटिश म्यूजियम लंदन और ऑक्सफ़ोर्ड में व्याख्यान सहित अब तक मिले 36 जीवन गौरव अवार्ड एवं मुद्रा रत्न जैसे सम्मानों का भी उल्लेख किया गया. कार्यक्रम में देश के अनेक जाने माने मुद्रा शास्त्री, सिक्का संग्राहक एवं पुरातत्व वेत्ता भी उपस्थित थे. आदित्य ने इस मौके पर अपने डेढ़ लाख से अधिक सिक्कों के संग्रह और अन्य धरोहरों को इंदौर में प्रस्तावित मुद्रा संग्रहालय को समर्पित करने की घोषणा भी दोहराई. संस्था द स्माइलिंग सोल्स की ओर से कार्यक्रम स्थल पर गिरीश शर्मा की उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया था.

हंगामा ओटीटी पर क्राइम ड्रामा 'मंगलमुखी' लॉन्च

इंदौर. भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की. यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है. इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं. यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है. 'मंगलमुखी' की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरुआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है. 'मंगलमुखी' अब हंगामा ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है.

एनडीए-सीडीएस परीक्षा में दिखी सख्ती

- 30 मिनट पहले गेट बंद
- लेट अभ्यर्थियों को नहीं मिला प्रवेश

नवभारत न्यूज

इंदौर. रविवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एनडीए नौसेना अकादमी एनडीए और संयुक्त रक्षा सेवा सीडीएस की परीक्षाएं प्रदेश के विभिन्न शहरों में कड़ी निगरानी के बीच आयोजित की गईं. इंदौर सहित प्रमुख शहरों में प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए सख्त व्यवस्थाएं लागू कीं.

परीक्षा केंद्रों के गेट निर्धारित समय से 30 मिनट पहले ही बंद कर दिए गए. देरी से पहुंचने वाले कई अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं मिला, जिससे केंद्रों के बाहर सख्ती साफ नजर आई. इस बार सभी परीक्षा केंद्रों पर फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू किया गया. हालांकि तकनीकी समस्याओं के कारण जिन अभ्यर्थियों का सत्यापन नहीं हो पाया, उन्हें अधिकारियों की निगरानी में मैन्युअल रूप से प्रवेश दिया गया.

अभ्यर्थियों की संख्या-प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों में 17 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए. इंदौर में 13 केंद्रों पर कुल 5,493 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी.

सुरक्षा और सुविधाएं-परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल तैनात रहा और सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया. अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं. पर्याप्त स्टाफ और ऑब्जर्वर की तैनाती के चलते परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई.

अधिकारियों की जानकारी

एडिशनल कमिश्नर सपना लोवंशी के अनुसार, एनडीए परीक्षा में 75 प्रतिशत और सीडीएस में 65 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई. इंदौर में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 7 एनडीए और 6 सीडीएस के लिए निर्धारित थे। इनमें से कुछ केंद्रों पर तीन शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की गईय उन्होंने बताया कि परीक्षा की निगरानी के लिए यूपीएससी से दो और सेंट्रल रेलवे से एक ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया था. साथ ही प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी.

निजी स्कूलों की मनमानी पर कड़ा शिकंजा, आदेश जारी

नवभारत न्यूज

इंदौर. इंदौर जिला प्रशासन ने निजी स्कूलों द्वारा कॉपी-किताब, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री में की जा रही मनमानी और एकाधिकार पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश लागू किया है.

आदेश के अनुसार सभी स्कूल संचालकों को प्रत्येक कक्षा की अनिवार्य पुस्तकों की सूची परीक्षा परिणाम से पहले अपनी वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी और स्कूल परिसर में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करनी होगी. इसके साथ ही अभिभावकों को प्रवेश के समय और परिणाम के समय पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है. स्कूल किसी भी विद्यार्थी या अभिभावक को किसी विशेष दुकान या संस्था से कॉपी-किताब या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे. नियमों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी. यह आदेश 12 अप्रैल 2026 से 11 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा.

तीन विक्रेताओं की सूची देना होगी

स्कूलों को कम से कम तीन पुस्तक एवं यूनिफॉर्म विक्रेताओं की सूची भी वेबसाइट पर प्रकाशित करनी होगी. एनसीईआरटी, एमपी पाठ्यपुस्तक निगम या मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा निर्धारित पुस्तकों के अलावा अन्य प्रकाशकों की किताबों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा. इसके अलावा कोई भी निजी प्रकाशक स्कूल परिसर में प्रचार नहीं कर सकेगा और न ही किसी प्रकार का पूरा सेट खरीदने की बाध्यता होगी. यूनिफॉर्म दो से अधिक प्रकार की नहीं होगी और उसमें तीन वर्ष तक बदलाव नहीं किया जाएगा.

वंदे मातरम गाने का नहीं, सम्मान का मुद्दा है : महापौर

नव भारत न्यूज

इंदौर. राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गाने का नहीं बल्कि उसके सम्मान का मुद्दा है. भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष नई परिपाटी डाल रहे हैं कि ईमानदार है तो हाथ उठाएं? भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस है और जनता ने इसलिए उन्हें घर बैठा दिया है.

उक्त बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज पत्रकारों से बातचीत में कही. कल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने वंदे मातरम को लेकर भाजपा पर जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया था. साथ ही पटवारी ने भ्रष्टाचार पर चुनौती देते हुए कहा था कि प्रदेश का एक भी मंत्री ईमानदार हो, तो हाथ उठाकर कहे. मैं उसका जवाब सबूत सहित दूंगा. पटवारी के बयान को लेकर आज महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पत्रकारों से चर्चा में जवाब दिया कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् को लेकर दो पार्षदों पर कार्रवाई नही की और अनुशासन समिति जांच करेगी, यह कहा है. कांग्रेस की अनुशासन समिति क्या जांच करेगी, यह तो कांग्रेस ही बता सकती है. दोनों पार्षदों ने अलग अलग राष्ट्रगीत को लेकर क्या कहा, आप जानते हैं.

बावड़ियों की साफ-सफाई प्राथमिकता से बारिश के पहले पूरा करें

- आयुक्त ने किया जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यों का निरीक्षण

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज निगम आयुक्त ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुएं और बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्य का मौका निरीक्षण किया. आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बावड़ियों की साफ-सफाई, गहरीकरण, मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से बारिश के पहले पूरा करें.

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने आज जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहर में कुएं एवं बावड़ियों के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया गया. इस दौरान उन्होंने बड़ा गणपति पीलिया खाल बावड़ी, मल्हारगंज थाने के सामने वाली बावड़ी, लोखंडे पुल सहित शहर के पारंपरिक जल स्रोतों की स्थिति एवं कार्यों का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान आयुक्त सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बावड़ियों की साफ-सफाई, गहरीकरण, मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिले एवं भू-जल स्तर में सुधार हो सके. इस दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, क्षेत्र के झोनल अधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनभागीदारी से बावड़ी का सौंदर्य निखारा

इंदौर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हंस दास मठ बावड़ी पर विशेष पेंटिंग एवं श्रमदान किया गया. बावड़ी में शब ए इंदौर : अ म्यूजिकल इवेंट की टीम के लगभग 80 दर्शकों एवं 30 कलाकारों ने मिलकर बावड़ी परिसर में श्रमदान किया. इस मौके सभी ने बावड़ी की साफ-सफाई, दीवारों पर आकर्षक एवं संदेशात्मक पेंटिंग बनाकर बावड़ी का सौंदर्य बढ़ा दिया. कार्यक्रम में आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त आकाश सिंह, पार्षद संध्या यादव, जोनल अधिकारी पल्लवी पाल सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

एक नजर में | विश्व होम्योपैथी दिवस पर जागरूकता, अनुसंधान और समन्वित चिकित्सा का सशक्त संदेश

चिकित्सा क्षेत्र में रिसर्च, अवेयरनेस और वैज्ञानिक डेटा का अत्यधिक महत्व

इंदौर. विश्व होम्योपैथी दिवस पर एक निजी होटल में होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया इंदौर शाखा, मप्र के तत्वावधान में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर होम्योपैथी के प्रति बढ़ते विश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान आधारित चिकित्सा तथा समन्वित (इंटीग्रेटेड) हेल्थकेयर सिस्टम पर विशेष जोर दिया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक, युवा डॉक्टर, छात्र-छात्राएं एवं समाजसेवी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के मुख्य मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव चतुर्वेदी ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने होम्योपैथिक औषधि आर्सेनिक एल्बम का सेवन किया और संक्रमित नहीं हुए. होम्योपैथी और एलोपैथी को साथ लेकर चलने से रोगों का बेहतर और शीघ्र उपचार संभव है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चिकित्सा क्षेत्र में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि रिसर्च, अवेयरनेस और वैज्ञानिक डेटा का अत्यधिक महत्व है. अति विशिष्ट अतिथि एसकेआरपी गुजराती होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस. पी. सिंह ने कहा कि आज कैंसर जैसी जटिल बीमारियों में होम्योपैथी को सहायक एवं समन्वित चिकित्सा के रूप में अपनाया जा रहा है. विशिष्ट अतिथि कार्य परिषद सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डॉ. वैशाली वैकर ने कहा कि होम्योपैथी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और मनोवैज्ञानिक रूप से भी व्यक्ति को सशक्त बनाती है. कार्यक्रम का संचालन दीपाली पांचाल ने किया. अतिथियों का स्वागत विनय पांडेय द्वारा किया गया. दीपक उपाध्याय ने आभार माना. इस अवसर पर समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जूनियर होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं स्काउट-गाइड सदस्यों को गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया.

स्पाइन सर्जरी पर महत्वपूर्ण सलाह-कार्यक्रम में डॉ. अर्पित चोपड़ा जैन ने अपने क्लिनिकल अनुभव साझा करते हुए स्पाइन (रीढ़) से संबंधित रोगों पर महत्वपूर्ण संदेश दिया. उन्होंने कहा जहाँ तक संभव हो, स्पाइन का ऑपरेशन कराने से बचना चाहिए. कई मामलों में होम्योपैथिक उपचार एवं उचित जीवनशैली से बिना सर्जरी के भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं.

होम्योपैथी के प्रति विश्वास बढ़ा : डॉ. द्विवेदी

कार्यक्रम में डॉ. ए. के. द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद भारत में होम्योपैथी चिकित्सा को नई गति और दिशा मिली है. केंद्र सरकार द्वारा आयुष पद्धतियों को दिए गए प्रोत्साहन, नीतिगत समर्थन और संस्थागत विकास ने इस प्रणाली को सशक्त बनाया है. कोविड-19 महामारी के दौरान सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद लोगों का विश्वास होम्योपैथी के प्रति अत्यधिक बढ़ा है. हमारा लक्ष्य है कि होम्योपैथी को वैज्ञानिक प्रमाणों, रिसर्च और आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़कर एक सशक्त वैश्विक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित किया जाए.